गृह विज्ञान शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना: स्वतंत्रता और सफलता के लिए कौशल का पोषण करना

उर्मिला यादव, गृह विज्ञान, सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान
डॉ. पूर्णिमा श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान

अमूर्त

एक महिला परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो समाज की मौलिक इकाई है। घरेलू विज्ञान शिक्षा महिलाओं के शारीरिक, भावनात्मक, आर्थिक, और सामाजिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है। सशक्तिकरण महिलाओं को अधिकार प्रदान करता है कि वे चुनें, नियंत्रित करें, और कार्रवाई करें। सशक्तिकृत महिलाएं अपने स्वायत्त कार्यक्रम स्थापित कर सकती हैं और समाज में अपनी अधीन स्थिति को प्रश्न कर सकती हैं और बदल सकती हैं। घरेलू विज्ञान शिक्षा महिलाओं को आज के प्रौद्योगिकी समस्याओं का सामना करने के लिए संपर्क साधित करेगी। घरेलू विज्ञान शिक्षा महिलाओं को घर और विदेश में विकल्पों का चयन करने और जिम्मेदारियों को संभालने की क्षमता प्रदान करती है। वैश्विक महिला सशक्तिकरण आंदोलन ने लम्बे समय से शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन के लिए सबसे शक्तिशाली उपकरण के रूप में जोर दिया है। महिलाओं को आत्मनिर्भरता, व्यक्तिगत और सामाजिक विकास, उत्पादक क्षमता, सामाजिक समागम, और राजनीतिक ज्ञान सीखना चाहिए। घरेलू विज्ञान शिक्षा इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आदर्श है। घरेलू विज्ञान शिक्षा का मतलब है कि महिलाएं मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, और आर्थिक रूप से बढ़ सकती हैं, सिर्फ एक डिग्री हासिल करने और शादी करने के लिए नहीं। घरेलू विज्ञान शिक्षा महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, जानकारी, स्व–विकास के लिए जीवनदायी सीखने के लिए लाभ और नियंत्रण का पूरा और समान अधिकार प्रदान करती है, व्यावसायिक कौशल, रोजगार और आय कमाने के अवसर, तकनीकी सेवाएं, विरासत और विवाह, सामान्य संसाधन, क्रेडिट, प्रौद्योगिकी, बाजार, जनसंचार, परिवार नियोजन, महिला। घरेलू विज्ञान शिक्षा दिखाती है कि महिलाएं शिक्षक, शोधकर्ता, उद्यमिता, और प्रशासक बन सकती हैं। इसलिए, यह सभी क्षेत्रों में महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग करती है और दिखाती है।

मुख्य शब्दः महिला, गृह विज्ञान, विकास, सशक्तिकरण, शिक्षा

परिचय

शिक्षा सशक्तिकरण एक प्रक्रिया है जो व्यक्तियों को उनके अपने जीवन, समाज, और उनकी समुदायों पर शक्ति प्राप्त करती है। लोग सशक्त होते हैं जब वे शिक्षा, पेशेवर और जीवनशैली जैसे सीमाओं और प्रतिबंधों के बिना उनके लिए उपलब्ध अवसरों का उपयोग कर सकते हैं। अपने खुद के निर्णय लेने का अधिकार महसूस करना सशक्तिकरण की भावना पैदा करता है। सशक्तिकरण में महिलाओं की स्थिति को शिक्षा, जागरूकता, साक्षरता, और प्रशिक्षण के माध्यम से उच्च करने की क्रिया शामिल है। शिक्षा हर व्यक्ति के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह मानव अधिकार है और समानता को प्राप्त करने के लिए एक अत्यंत उपयोगी उपकरण है। 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की एक मुख्य सिफारिश महिलाओं के सशक्तिकरण को शिक्षा के माध्यम से बढ़ावा देना है। सशक्तिकरण आत्म–प्रशासन, आत्म–पर्याप्ति और आत्म–रक्षण है। महिला सशक्तिकरण का अवधारणा 1985 में नैरोबी में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में पेश किया गया था। सशक्तिकरण एक प्रक्रिया है जिसमें शामिल हैः

- समाज के संसाधनों का उपयोग करने के अवसरों तक समान पहुंच।
- लैंगिक असमानता का निषेध।
- हिंसा से मुक्ति।
- आर्थिक स्वतंत्रता।
- सभी निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भागीदारी।
- किसी के जीवन से संबंधित मामलों में चयन की स्वतंत्रता।

घरेलू विज्ञान शिक्षा महिलाओं को समुदाय विकास में प्रमुख भूमिका निभाने की उनकी क्षमता को समझाती है। आजकल समाज ने महिलाओं के नेतृत्व को भी मान्यता दी है। घरेलू विज्ञान शिक्षा घर और परिवार प्रबंधन के सभी पहलुओं का समाधान करती है। यह एक कला और विज्ञान दोनों है। यह श्कलाश है क्योंकि यह आपको आपके संसाधनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में मदद करता है, और यह श्विज्ञानश है क्योंकि यह आपको जानकारी प्रदान करके आपके परिवारी जीवन को सुधारने में मदद करता है।

एलेन रिचर्ड्स के अनुसार, ष्होम इकोनॉमिक्स का उद्देश्य घर को वस्तुओं के अधीनता से मुक्त करना है और उनके आदर्शों के लिए उनके सही अधीनताय सामग्रियों के आस–पास की सरलता जो आज के घर और समाज के अधिक महत्वपूर्ण और स्थायी बातों के लिए आत्मा को मुक्त करेगी, विचार को अधिक सरल

और स्थायी करेगी, आज के आदर्श घर की जीवनशैली जो भूत की विवशता से मुक्त है।[६] बहुत ही सरल शब्दों में, होम साइंस को स्वास्थ्य, आहार, बच्चे की देखभाल, वस्त्र और गारमेंट डिजाइनिंग, संसाधनों के प्रबंधन और घर से संबंधित अन्य विषयों के साथ संबंधित अनेक विज्ञान की एक शाखा के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य

- घरेलू विज्ञान शिक्षा के प्रभाव की जांच करने के लिए, महिलाओं के शारीरिक, भावनात्मक, आर्थिक, और सामाजिक विकास पर।
- महिलाओं के निर्णय लेने और संसाधन नियंत्रण में घरेलू विज्ञान शिक्षा का योगदान जांचने के लिए।
- महिलाओं के बाजू को समाज में उनकी अधीन स्थिति को चुनौती देने और बदलने में घरेलू विज्ञान शिक्षा का संबंध जांचने के लिए।
- आज की प्रौद्योगिक युग में चुनौतियों को संभालने के लिए महिलाओं को योग्यताएं और ज्ञान प्रदान करने में घरेलू विज्ञान शिक्षा की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए।
- विशिष्ट तरीके से घरेलू विज्ञान शिक्षा महिलाओं को परंपरागत घरेलू कामकाज के अलावा विभिन्न भूमिकाओं को ग्रहण करने में सशक्त करने के लिए।
- महिलाओं के बीच स्वायत्तता, व्यक्तिगत विकास, सामाजिक एकता, और राजनीतिक समझ को बढ़ावा देने में घरेलू विज्ञान शिक्षा के कार्यकारीता का विश्लेषण करने के लिए।
- घरेलू विज्ञान शिक्षा के आर्थिक लाभों की जांच करने के लिए, जैसे रोजगार के अवसर और आय उत्पन्न करने के।
- महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में घरेलू विज्ञान शिक्षा की प्रभावीता को बढ़ाने के लिए, पाठ्यक्रम विकास, शिक्षण पद्धतियों, और आउटरीच पहलों के लिए रणनीतियों का अन्वेषण करें।
- नीति निर्माताओं, शिक्षकों, और हितधारकों के लिए सिफारिशें प्रदान करें ताकि घरेलू विज्ञान शिक्षा को महिलाओं के सशक्तिकरण और लिंग समानता को आगे बढ़ाने में मजबूत किया जा सके।

अध्ययन का महत्व

इस अध्ययन का महत्व घरेलू विज्ञान शिक्षा के महिलाओं के सशक्तिकरण पर परिवर्तनात्मक प्रभाव को प्रकाश डालने की संभावना में है। घरेलू विज्ञान शिक्षा के भूमिका की खोज के द्वारा, यह अनुसंधान महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, और व्यक्तिगत विकास को कैसे बढ़ावा देने में शिक्षात्मक हस्तक्षेप को कैसे बढ़ा सकता है, उसमें मूल्यवान अवधारणाएं शामिल होती हैं। इसके साथ ही, परिणाम सार्वजनिक नीतिकर्मियों और शिक्षाविदों को घरेलू विज्ञान शिक्षा को शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों में शामिल करने की महत्वपूर्णता के बारे में सूचित कर सकते हैं जो लैंगिक समानता को बढ़ाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हैं। इसके अलावा, यह अध्ययन महिला शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुकूल और प्रभावी शिक्षण विधियों और पाठ्यक्रम ढांचे के विकास को प्रेरित कर सकता है, जो अंततः गैर–पारंपरिक करियर पथों को प्रोत्साहित कर सकता है और समाजिक चुनौतियों का समाधान कर सकता है। प्रैक्टिकल कौशल और ज्ञान के साथ महिलाओं को सशक्त करने के लिए, घरेलू विज्ञान शिक्षा में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन, समुदायों को सशक्त करना, और इस क्षेत्र में भविष्य के लिए एक नींव बनाने की संभावना है।

समीक्षा का साहित्य

संधू, पी., और गुप्ता, आर. (2014) भारत में महिलाएं एक पिछड़ा हिस्सा बनी रहती हैं, भले ही नियमित विकास के सन्दर्भ में जारी हो रहा हो। ग्रामीण महिलाओं के लिए विशेष रूप से अवसर पैदा किए जाने चाहिए, जिन्हें सशक्त किया जा सकता है और जो विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकती हैं। वर्तमान पेपर ग्रामीण लड़कियों की घरेलू विज्ञान शिक्षा के बारे में जागरूकता की अध्ययन करता है। आय पैदा करने वाली रास्तों (घरेलू विज्ञान शिक्षा के) की एक व्यापक सूची तैयार की गई और जनता को शिक्षित करने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रयोग किया गयाय और व्याख्यानों का आयोजन किया गया। परिणाम सुझाव देते हैं कि निश्चित समूह में किसी को भी घरेलू विज्ञान शिक्षा के उद्योग, फ्रीलांसिंग, स्व–सहायता समूह, लाभ उत्पन्न करने वाले नेटवर्क और एनजीओ और केवीके की तरह एजेंसियों के करियर विकल्पों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। कुछ लड़कियों को परामर्श सेवाओं, घरेलू आधारित उद्योग और स्वरोजगार के बारे में ज्ञान था। अधिकांश युवा ग्रामीण लड़कियां आर्थिक लाभ के लिए विदेश जाकर व्यापार सीखना चाहती थीं। इसलिए इसके आवश्यकता है कि इस प्रकार की जागरूकता अभियान को मूल स्तर पर शुरू किया जाए, विशेष रूप से उच्च शिक्षा के प्रवेश स्तर पर।

शाबोर्ट, एफ., सिन्नेस, ए., और काइल जूनियर, डब्ल्यू.सी. (2018) वर्तमान अध्ययन प्रोग्राम इन्फासिएंसियारू आज की लड़कियों से कल की महिला वैज्ञानिकों तक पर मूल्यांकनात्मक अनुसंधान है। इसका उद्देश्य पूरे शैक्षणिक समुदाय के बीच प्रमुख महिला वैज्ञानिकों के बारे में ज्ञान बढ़ाना है और विशेष रूप से, बच्चों को विज्ञान की एक समावेशी छवि प्राप्त करने में सहायता करना है, अर्थात, एक छवि को मूल्यांकित करना और दिखाना जो महिला प्रतिभा को मूल्यांकित करता है और प्रदर्शित करता है। इस प्रोग्राम का मूल्यांकन गुणात्मक अनुसंधान तकनीकों पर आधारित है, जैसे कि अर्ध–संरचित साक्षात्कार, ताकि सभी संबंधित लोगों को आवाज दी जा सके। इस पेपर में हम शिक्षकों और परिवारों के दृष्टिकोण पर केंद्रित हैं। खोज के परिणाम दिखाते हैं कि जब छोटे बच्चे सक्रिय रूप से विज्ञान सीखते हैं, तो वे इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। इसी समय, यह भी प्रकट होता है कि महिला वैज्ञानिकों के बारे में सीखने से सकारात्मक सामाजिकीकरण का एक परिणामशील परिदृश्य उत्पन्न होता है जहां वैज्ञानिकता के प्रति समानात्मक ज्ञान और दृष्टिकोण प्राप्त किया जा सकता है। भाग लेने वाले शिक्षकों को अनुभव की मूल्यांकन करते हैं क्योंकि अब भी बहुत कम सहशिक्षा स्कूल इंटरवेंशन हैं जिनका ध्यान बच्चों पर है। भाग लेने वाले परिवारों को महिला वैज्ञानिकों के बारे में जो वे पहले बार थोड़े ही जानते थे, उनकी ज्ञान बढ़ गई है और वे मानते हैं कि ये महिलाएं सार्वजनिक सराहना के पात्र हैं। समापन के रूप में, इन्फासिएंसिया को शिक्षकों और परिवारों द्वारा बहुत ही सकारात्मक अनुभव के रूप में माना गया है, इसलिए इसे फिर से किया जाने का दावा किया जा रहा है।

पैकियानाथन एन, अनुश्री एसएम, मंजूनाथ बी (2016) उच्च शिक्षा डिग्री स्तर और ऊपरी होती है। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, व्यावसायिक विधान, कानून, संगीत, कला, शिक्षक प्रशिक्षण, शुद्ध विज्ञान, और प्रौद्योगिकी जैसे व्यावसायिक स्कूल भी इसमें शामिल हैं। पढ़ाई अकेले महिलाओं को स्वायत्त नहीं बना सकती, लेकिन उच्च शिक्षा कर सकती है। केवल उच्च शिक्षा उन्हें उनके अधिकारों को सिखाती है और उनका उपयोग कैसे करना है। उच्च शिक्षा महिलाओं को जानकारी, कौशल, और आत्म–विश्वास के साथ सशक्त करने में महत्वपूर्ण है। यह असमानताओं को कम करता है और परिवार की स्थिति को बढ़ाता है। महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा परिवारों और पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, महिलाओं के सशक्तिकरण और उच्च शिक्षा के कई बाधाओं का सामना होता है। शिक्षा की कमी, वित्त, परिवार का कर्तव्य, और सामाजिक स्थिति उदाहरण हैं। महिलाएं अब पारंपरिक पाठ्यक्रम लेती हैं और पुरुषों के क्षेत्र में जाती हैं। महिलाओं की आवश्यकताओं के लिए भविष्य के विस्तार और नए क्षेत्रों की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को डिग्री और अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रदान करने की आवश्यकता है। अब उच्च शिक्षा महिलाओं को व्यावसायिक, तकनीकी, और पेशेवर शिक्षा से संपन्न करने का उद्देश्य है। कई नीतियाँ और कार्यक्रम महिलाओं की मदद करते हैं। इसके लिए, महिला–मित्र स्किल्स और नौकरियों को पहचानना आवश्यक है। विशेषकर, महिला सशक्तिकरण और उच्च शिक्षा पर भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को ठीक से कार्यान्वित किया जाना चाहिए। उच्च शिक्षा का रोल महिलाओं को सशक्त करने में इस अनुसंधान में जांचा जाता है।

गृह विज्ञान का महत्व

घरेलू विज्ञान एक एकीकृत अध्ययन क्षेत्र है जो पारिवारिक जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में वैज्ञानिक और व्यवस्थित ज्ञान प्रदान करता है। घरेलू विज्ञान का सुझाव है कि यह घर के साथ संबंधित है और इसमें प्रत्येक व्यक्ति की स्वास्थ्य और खुशी को शामिल किया जाता है। यह एक अन्यथा शास्त्रीय क्षेत्र की इंटरडिसिप्लिनरी शिक्षा है जो अपने छात्रों को अनेक पेशेवर और करियर विकल्पों के साथ अपना विकास करने के लिए तैयार करती है।

गृह विज्ञान की परिभाषा

होम इकोनॉमिक एसोसिएशन के पहले अध्यक्ष एलेन रिचर्ड्स के अनुसार,

''गृह अर्थशास्त्र घर की चीजों के अधिकार से घर को मुक्त करने का लक्ष्य रखता है और उन्हें आदर्शों के लिए अनुपालन करने के लिए उपयुक्त करता हैय उपयोग की साधन सर्वाधिक सरलता जो आज के समाज और घर के अधिक महत्वपूर्ण और स्थायी हितों को मुक्त कर देगा, ऐसा आदर्श घरेलू जीवन, जो भूतकाल के प्रभाव से मुक्त है।''

''बहुत ही सरल शब्दों में, घरेलू विज्ञान को स्वास्थ्य, आहार, बच्चे की देखभाल, वस्त्र और कपड़े की डिजाइनिंग, संसाधनों का प्रबंधन और घर के संबंधित अन्य विषयों के साथ संबंधित बहु–विज्ञान क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।''

महिलाओं के लिए गृह विज्ञान शिक्षा का महत्व

गृह विज्ञान का विषय घरेलू जीवन के हर क्षेत्र से संबंधित है जिसमें खाना बनाना, कपड़े, घर की साज–सज्जा और सजावट, बच्चों की देखभाल, घरेलू खरीदारी और पारिवारिक रिश्ते शामिल हैं। यह लोगों को सिखाता है कि बेहतर खाना कैसे खाएं, अच्छे कपड़े कैसे पहनें, अपने घरों की देखभाल कैसे

करें और पैसे को बुद्धिमानी से कैसे खर्च करें और एक खुशहाल घरेलू जीवन कैसे जिएं।

- गृह विज्ञान का ज्ञान जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है।
- अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करने के लिए संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग में मदद करता है।
- घरेलू जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग सिखाता है।
- पारिवारिक रिश्तों को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- रोजमर्रा की समस्याओं को सुलझाने में मदद करें।
- मूल्यों, दृष्टिकोण और रुचियों को बदलने में मदद करता है।
- गृह विज्ञान नैतिक, पारिवारिक और आध्यात्मिक को बढ़ावा देता है
- पारिवारिक जीवन के पहलू।
- व्यक्ति को कैरियर के कई अवसरों के लिए सक्षम बनाता है।

आर्थिक सशक्तिकरण

गृह विज्ञान की शिक्षा मजदूरी और रोजगार तथा स्व–रोजगार दोनों में रोजगार की व्यापक विविधता प्रदान करती है।

गृह विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में नौकरी के अवसर

➢ **खाद्य और पोषण**

घरेलू विज्ञान शिक्षा के माध्यम से, हम कई पेशेवरों में करियर बना सकते हैं जैसे कि खाद्य उत्पाद परीक्षक, रसोई खाद्य असेम्बलर, गुणवत्ता नियंत्रण तकनीशियन, खाद्य प्रयोगशाला सहायक, आहारी सहायक, शॉर्ट ऑर्डर कुक, बेकर सहायक, वेटरध्वेट्रेस, डाइनिंग रूम अटेंडेंट, केक डेकोरेटर, खाद्य तकनीशियन, आहार सहायक, पोषणीय सहायक, डाइटेटिक तकनीशियन, घरेलू अर्थशास्त्री, डाइटिशियन, खाद्य तकनीकीज, पोषकाहार विशेषज्ञ, केटरर, बेकर, खाद्य सेवा प्रबंधक, विशेषज्ञ पाककला, शेफ। घरेलू विज्ञान स्नातक ६ स्नातकोत्तर पदवाधिकारियों को मिठाई, आइसक्रीम पार्लर और बेकरी स्थापित करने का विकल्प होता है। वे अपने उत्पादों को नवाचार कौशल का उपयोग करके विकसित कर सकते हैं जो की पोषण संबंधित हों और पारंपरिक से अलग हों और पार्टियों या खाने की मेज पर विविधता जोड़ सकते हैं। सब्जियों और फलों की रक्षा को अचार, जैम, जेली, मरमलेड आदि के रूप में करने के लिए छोटे इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं, ताकि घर की महिला इन्हें पकाने के लिए तैयार कर सकें। विविध सलाद बार स्थापित करने के लिए विभिन्न सलाद तैयार किए जा सकते हैं जो स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए तत्परी हैं।

➢ **गृह प्रबंधन**

घरेलू संगठन, मेड, मेजहोस्ट ६ मेजहोस्टेस, संगठन गाइड, लॉजिंग सुविधाओं के सहायक, अतिथि सेवा क्लर्क, अतिथि घर प्रबंधक, घरेलू प्रबंधक, होटल ६ मोटल प्रबंधक, सम्मेलन समन्वयक, आंतरिक डिजाइनिंग, सामग्री और रख–रखाव शोरूम सहायक, आंतरिक डिजाइन सहायक, आतिथ्य पर्यवेक्षक, सामग्री बिक्री सहयोगी, विंडो डिस्प्ले डिजाइनर, आंतरिक डिजाइन सहायक, फोटो स्टाइलिस्ट, सामग्री खरीदार, घरेलू संगठन प्रशिक्षक, रूचि केंद्रों को शुरू किया जा सकता है जहां रुचि रखने वाले व्यक्ति मोमबत्ती और कागज के फूल बनाना, सजावटी वस्त्रों की तैयारी, सॉफ्ट टॉय्स, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, मिट्टी के पोत बनाना, दीवारों को पेंट करना और घरेलू कचरे के उपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर सकते हैं।

➢ **बाल विकास**

घरेलू विज्ञान शिक्षा के माध्यम से बाल विकास के क्षेत्र में कई अवसर उपलब्ध हैं, जैसे कि प्री–स्कूल टीचर, विशेष शिक्षा सहायक, आफ्टर–स्कूल प्रोग्राम पर्यवेक्षक, प्री–स्कूल सहायक, परिवार बच्चों की देखभाल प्रदाता, मनोरंजन सहायक, शिक्षक सहायक, बच्चों की दिनचर्या पर्यवेक्षक, डे–केयर सेंटर, क्रेचेस, और नर्सरी स्कूल और आफ्टर स्कूल केंद्र। बच्चे की जीवन साहायक, माता–पिता शिक्षक, बच्चों की देखभाल केंद्र निदेशक बच्चों का कल्याण कार्यकर्ता। घरेलू विज्ञान के स्नातकोत्तर से वृद्धाश्रम प्रबंधित किया जा सकता है जहां वृद्धों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां व्यवस्थित की जा सकती हैं सही खाद्य सेवाओं और मानसिक–भावनात्मक समृद्धि के साथ। घरेलू विज्ञान स्नातक बालों के अपंग इंद्रियों के लिए पुनर्वास केंद्र खोल सकते हैं।

➢ **वस्त्र एवं कपड़ा**

घरेलू विज्ञान शिक्षा के माध्यम से कपड़े और टेक्सटाइल के क्षेत्र में कई अवसर उपलब्ध हैं, जैसे कि कपड़े/ सामग्रियों की मानक संख्या, सूखी सफाई की दुकान में कर्मचारी, फैशन डिजाइन सहायक, गारमेंट निर्माण कंपनी में कर्मचारी, टेक्सटाइल उद्योग में कर्मचारी, कढ़ाई इकाई में कर्मचारी, सहायक

डिजाइनर, फैशन इलस्ट्रेटर, टेक्सटाइल तकनीशियन, बिक्री सहयोगी, ग्राहक सहायक, कंप्यूटर इमेजिंग सलाहकार, माल का प्रदर्शनकर्ता, फैशन खरीददार। घरेलू विज्ञान स्नातक/स्नातकोत्तर पदवाधिकारियों को उद्यमिता के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं जहां वे स्वयं अपने केंद्र खोल सकते हैं।

- बूटिक
- रंगाई–छपाई की दुकान
- रेडीमेड गारमेंट की दुकान
- कढ़ाई की दुकान
- बुनाई की दुकान

विस्तार और संचार

घरेलू विज्ञान शिक्षा हमें विस्तार और संचार के क्षेत्र में स्थापित होने के अवसर प्रदान करती है, जैसे कि पत्रकार, परामर्शदाता, रिपोर्टर, समाचार पाठक, मीडिया कार्यक्रमकर्ता, शिक्षक, जांचक, परामर्शदाता, स्वैच्छिक आधार पर शोधकर्ता, प्रोफेसर, गैर–सरकारी संगठन, मीडिया योजनाकार और प्रबंधक, कार्यक्रम समन्वयक पत्रकार और संपादक, प्रशिक्षण समन्वयक, विज्ञापन डिजाइनर, विपणन प्रबंधक, एनजीओ मालिक, विश्वविद्यालयों, स्कूलों, एनजीओ में रोजगार, मल्टीमीडिया उत्पादन इकाई का स्थापन, डॉक्यूमेंटरी/शैक्षिक फिल्म उत्पादन इकाई का स्थापन, वेब डिजाइनर, ग्रामीण विकास विभागों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रेस और मीडिया केंद्रों, टीवी चौनलों, प्रिंटिंग प्रेस, फोटो स्टूडियो, ई–कॉल और ई–लर्निंग केंद्र, टीवी/रेडियो स्टेशन में रोजगार।

सामाजिक सशक्तिकरण

महिलाओं के खिलाफ हिंसा का समापन हर प्रकार की हिंसा को शारीरिक और मानसिक दोनों को समाप्त कर सकता है, सम्प्रदायों, परंपराओं और अभ्यासों के माध्यम से, सहित यौन शोषण और हमले। यह महिलाओं को महिला अधिकार, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न आदि पर शिक्षित करता है। महिलाओं को विभिन्न कानूनों की सुरक्षा मिलती है, जैसे कि घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, 2005, दहेज निषेध अधिनियम, 1961, हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961, मुस्लिम महिलाओं (तलाक पर अधिकारों की संरक्षण) अधिनियम, 1986, बाल विवाह निवारण अधिनियम, 1929, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986, यौन उत्पीड़न अधिनियम, आदि। स्त्री भेदभाव का समापन घरेलू वैज्ञानिक कभी भी महिलाओं के खिलाफ कानूनी या व्यावहारिक भेदभाव को सहन नहीं करेगी, सभी क्षेत्रों में उनके समान अधिकारों को मानते हुए मानवाधिकार और मौलिक स्वतंत्रता का समान अधिकार। उसे समान चिकित्सा सेवा, सभी स्तरों पर शिक्षा, करियर और व्यावसायिक सलाह, रोजगार और समान वेतन, कार्यस्थल की स्वास्थ्य, सुरक्षा, और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता होगी। बालिका भेदभाव और अधिकार उल्लंघन का समापन सभी बालिका भेदभाव और अधिकार उल्लंघन समाप्त हो जाएगा।

शिक्षा सशक्तिकरण

गृह विज्ञान शिक्षा महिलाओं और युवा महिलाओं के लिए शिक्षा तक समान पहुंच की गारंटी देती है। इस तरह के प्रशिक्षण से महिलाओं में शब्द संबंधी, पेशेवर और विशिष्ट क्षमताएं पैदा होती हैं।

निष्कर्ष

यह अपेक्षित है कि विकास के उपायों और सकारात्मक कार्रवाई के संयोजन का प्रभाव होगा ताकि महिलाओं की समग्र सशक्तिकरण को प्राप्त किया जा सके। घरेलू विज्ञान में शिक्षा सशक्तिकरण में योगदान करने वाले कारकों की पूरी और समान उपयोग और नियंत्रण प्रदान करती है, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना, स्व–विकास के लिए लाइफलॉन्ग लर्निंग, व्यावसायिक कौशल, रोजगार और आय कमाने के अवसर, तकनीकी सेवाएं, विरासत और विवाह, सामान्य संसाधन, क्रेडिट, प्रौद्योगिकी, बाजार, मास मीडिया, परिवार नियोजन, महिला के अधिकार, और अन्य संबंधित विषय शामिल हैं। घरेलू विज्ञान में शिक्षा ने महिलाओं को घर के बाहर के काम के क्षेत्र में अधिक अधिकार प्रदान किया है। घरेलू विज्ञान शिक्षा का क्षेत्र यह दिखाता है कि महिलाएं, गृहिणियों के अलावा, शिक्षक, शोधकर्ता, व्यावसायिक मालिक, और प्रशासक के रूप में करियर की ओर अग्रसर हो सकती हैं। इस प्रकार, यह महिलाओं की हर पहलू में मौजूद योग्यताओं का उपयोग करता है और दिखाता है।

संदर्भ

- संधू, पी., और गुप्ता, आर. (2014)। आर्थिक सशक्तिकरण में गृह विज्ञान शिक्षा की भूमिका के लिए ग्रामीण लड़कियों में जागरूकता। गृह और सामुदायिक विज्ञान पर अध्ययन, 8(1), 27–31।
- शाबोर्ट, एफ., सिन्नेस, ए., और काइल जूनियर, डब्ल्यू.सी. (2018)। प्रासंगिक कुंठाओं से कक्षा

परिवर्तन तकरू ग्रामीण दक्षिण अफ्रीका में विज्ञान शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण। शैक्षिक क्रिया अनुसंधान, 26(1), 127–143.

- पैकियानाथन एन, अनुश्री एसएम, मंजूनाथ बी (2016)रू भारतीय महिलाओं को सशक्त बनाने में उच्च शिक्षा की भूमिका। इंट जे हेल्थ एलाइड साइंस 5रू135–7
- अनीता आर्य – भारतीय महिला शिक्षा एवं सशक्तिकरण।
- अनीता आर्य – भारतीय महिला खंड 3
- फ्लाविया एग्नेस – कानून और लिंग समानता, भारत में महिलाओं की नीतियों का अधिकार
- गेराल्डिन फेर्ब्स – भारत का कैम्ब्रिज इतिहास, पअ.2 आधुनिक भारत में महिलाएँ।
- जी.बी. रेड्डी – महिलाएं और कानून।
- जे.सी. अग्रवाल – भारत में शिक्षा प्रणाली का विकास।
- जे. सी. अग्रवाल – आधुनिक शिक्षा का विकास और योजना।
- किरीट शाह – इतिहास और लिंग, कुछ अन्वेषण।
- मंजीत गोगोई (सं.) – इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड साइंस।
- मैताली विश्वनाथन – महिला शिक्षा का विकास उन्मुखीकरण।
- मीरा सेठ – महिला और विकास, भारतीय अनुभव।
- रेनू देबी – असम की महिलाएं।
- रेनू देबी – असम में शिक्षा की प्रगति।
- राय बी.सी.–भारत का इतिहास शिक्षा एवं समस्याएँ। प्रचार केन्द्र, लखनऊ–226020
- एस. एल. बरुआ (सं.) – असम में महिलाओं की स्थिति।
- सरथ द्विवेदी – स्वतंत्र भारत में महिलाओं की स्थिति।
- सुभाष कंसल – पचायतिराज एवं ग्रामीण विकास।
- सुकन्या निहाल सिंह – महिला सशक्तिकरण की संभावना।
- जनगणना रिपोर्ट 2011, असम की कुल अनंतिम जनसंख्या श्रृंखला–19 2011 का पेपर 1।
- सांख्यिकीय हैंड बुक असम–2006

SHRADHA EDUCATIONAL ACADEMY